Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to give salary to priests of Hindu temple in Delhi.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : आदरणीय सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत आभार । आपने मुझे एक बहुत ही ऐसे सेंसेटिव मुद्दे पर बोलने के लिए समय दिया है, जो देश के लिए बहुत ही चिंता का विषय है ।

महोदय, मैं आपके और सदन के माध्यम से विशेषतः उत्तर प्रदेश, पंजाब व उत्तराखंड के निवासियों को एक गंभीर समस्या से आगाह कराना चाहता हूँ । जिस प्रकार संविधान में मूलभूत अधिकार हैं, उसी प्रकार अनुच्छेद 514 में मूलभूत दायित्वों का भी वर्णन किया गया है । मूलभूत दायित्व में जीवों के सरंक्षण के विषय में भी बताया गया है । मैं वन्य जीवों की एक प्रजाति के प्रति बहुत चिंतित हूँ । वह प्रजाति गिरगिट है, जिसको देहात में करकैंटा भी बोलते हैं । गिरगिट सामान्यतः अपनी सुरक्षा हेतु समय-समय पर रंग बदलते हैं, परन्तु उनके एक फूफा आज उनको भी धोखा देकर रंग बदल कर अपने राजनीतिक स्वार्थ हेतु लोगों को ठग रहे हैं । मैं दिल्ली के मुख्य मंत्री जी की बात कर रहा हूँ, जो आजकल पड़ोसी राज्यों में रंग बदलते नज़र आए । इस प्रकार का डीएनए हमारी संस्कृति में कैसे आ गया? इस बात को लेकर गिरगिट बहुत चिंता में हैं ।

सभापति महोदय, मैं इस व्यक्ति की कथनी व करनी का अंतर बताता हूँ । इन महाशय ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैण्डल पर स्टेटस में लिखा है कि सब इंसान बराबर हैं, चाहे वह किसी धर्म या जाति का हो । हमें ऐसा भारत बनाना है, जहां सभी धर्म और जाति के लोगों में भाईचारा और मोहब्बत हो, न कि नफरत और बैर हो । जबकि सीएए के विरोध में शाहीन बाग में उपद्रवियों के समर्थन में खड़े होकर महीनों रास्ता बंद रखा गया । इंसान, मोहब्बत और नफरत शब्द का प्रयोग योजनाबद्ध रूप में हुआ है । अब करनी देखिए ।

माननीय सभापति : बिधूड़ी जी, आपकी डिमाण्ड क्या है?

श्री रमेश बिधूड़ी: दिल्ली में 300 मस्जिदों के मौलवियों व अजान लगाने वाले मुअज्जिन को प्रतिमाह 18,000 रुपये और 16,000 रुपये की सैलरी दी जा रही है । 1500 मस्जिदों में 14,000 और 12,000 का वेतन सरकारी खजाने से दिया जा रहा है । यानि प्रत्येक वर्ष जनता के पैसे से 59 करोड़ 4 लाख रुपये मस्जिदों में दिये जाते हैं ।

माननीय सभापति : आपको अपनी डिमाण्ड रखनी है ।

श्री रमेश बिधूड़ी : सर, मैं मांग कर रहा हूं । …(व्यवधान) इसी प्रकार से दिल्ली में लगभग 5 हजार मंदिर हैं । उन मंदिर के पुजारियों को वेतन क्यों नहीं दिया जाता है? यह भेदभाव क्यों? जबकि मंदिर में पूजा करने में अगरबत्ती, घी, दीपक, इत्यादि का भी खर्च होता है, परन्तु फिर भी उनके बारे में चिंता नहीं की जाती है । क्योंकि उन्हे एक धर्म विशेष का वोट चाहिए । …(व्यवधान) वहीं दूसरी ओर जिन राज्यों में चुनाव हैं, वहां कांग्रेस के राजकुमार मैं हिन्दू हूं, कहते हैं…(व्यवधान)

SHRI GAURAV GOGOI (KALIABOR): Hon. Chairperson, Sir, first of all, I would like to express my regret for not being in the House when you took my name because I was attending the meeting of the Standing Committee on Finance.

… (*Interruptions*)

माननीय सभापति : बिधूड़ी जी, एक मिनट ।

… (व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : सर, कांग्रेस के राजकुमार जगह-जगह …(व्यवधान)

माननीय सभापति : बिधूड़ी जी, एक मिनट । आपका जीरो आवर का सबमिशन यह है कि हिन्दू टेम्पल के प्रीस्ट को अलाउंस देना चाहिए ।

… (व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : सर, मेरी बात बस तीस सेकण्ड में खत्म हो रही है । सर, मेरी बात बस पन्द्रह सेकण्ड में खत्म हो रही है । …(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप अपनी डिमाण्ड कीजिए ।

… (व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : सर, कांग्रेस की दो या तीन राज्यों में बची हुई सरकार है, वहां यह राजकुमार जाकर हिन्दू-हिन्दू की दुहाई दे रहे हैं ।

सभापति महोदय जी, दोनों … * पंजाब में बिजली का वादा कर रहे हैं ।…(व्यवधान) मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या दिल्ली में, कांग्रेस शासित राज्यों में बिजली मुफ्त की गई है? …(व्यवधान) वह क्यों नहीं की गई है?…(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON : Definitely, his speech will be verified.

… (*Interruptions*)

SHRI GAURAV GOGOI: Sir, such kind of statements cannot be made during ‘Zero Hour’. Please review the speech and unparliamentary words should be expunged.

HON. CHAIRPERSON: That will be verified and corrected.